स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

अंतिम परीक्षा, 1 सेमेस्टर 2014–15 (जुलाई 2015)

पाठ्यक्रम– 201 : बाज़ार–केन्द्रित विस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. किसान–समुदाय के लाभ हेतु शोध–विस्तार–किसान–बाज़ार संपर्क को मज़बूत करने हेतु उत्पाद–केन्द्रित विस्तार से बाज़ार–केन्द्रित विस्तार की ओर प्रतिमान–परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए।

2. भारत में कृषि–विपणन–प्रणाली की चुनौतियाँ क्या–क्या हैं? बाज़ार–केन्द्रित विस्तार के परिप्रेक्ष्य में कृषि विस्तार अधिकारियों की बदलती भूमिका को संक्षिप्त रूप से स्पष्ट कीजिए।

3. कृषक समुदायों के निर्णय लेने की प्रक्रिया में बाज़ार–आसूचना का महत्व उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (सभी प्रश्नों का अंक समान है):
   i) पूर्वानुमान विधियाँ
   ii) गोदाम के प्रकार
   iii) ग्राहक संबंध प्रबंधन
   iv) एगमार्क नेट

5. अनुबंध खेती की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। अनुबंध खेती को बढ़ावा देने की पहली आवश्यकताओं पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

6. फसल–बीमा के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए। कृषक समुदायों के लिए उपलब्ध विभिन्न फसल–बीमा उत्पादों पर संक्षिप्त रूप से चर्चा कीजिए।

7. भारत में कृषि–प्रसंस्करण उद्योग के महत्व पर चर्चा कीजिए। अपने राज्य में किसी माल के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की चुनौतियों एवं अवसरों का वर्णन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (सभी प्रश्नों का अंक समान है):
   i) व्यापार संबंधी बौद्धिक संपदा अधिकार (ट्रिप्स)
   ii) अग्रवर्ती अनुबंध
   iii) वस्तु–वित्तपोषण
   iv) आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव

* * * * *

January, 2015

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी एई एम)

द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
पूरक परीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक

पाठ्यक्रम– 201 : बाज़ार–संचालित विस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. बाज़ार–संचालित विस्तार से आप क्या समझते हैं? इसकी चुनौतियों का उल्लेख कीजिए तथा किन्हीं तीन चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

2. भारत की कृषि–बाज़ार–आसूचना–प्रणाली की स्थिति पर चर्चा कीजिए। बाज़ार–आसूचना में पालन किए जाने वाले विभिन्न चरण क्या–क्या हैं?

3. अनुबंध–खेती का मतलब स्पष्ट कीजिए तथा इसके फ़ायदे और नुकसान पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   v) कृषक–बाज़ार (शैंडी)
   vi) मूल्य–संवर्धन
   vii) मालहितैषी समूह
   viii) माँग का पूर्वानुमान
   ix) राष्ट्रीय कृषि नीति
   x) फसल की बीमा

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   v) सस्योत्तर हानि को कम करने के उपाय
   vi) बाज़ार समिति निधि
   vii) कृषि में विश्वव्यापार संगठन का प्रभाव
   viii) वायदा अनुबंध की सीमाएँ

6. अपने राज्य के किसी एक प्रमुख माल के संदर्भ में भारत के कृषि–प्रसंस्करण उद्योग की शक्ति, कमज़ोरी एवं अवसर पर चर्चा कीजिए।

7. आपूर्ति–श्रृंखला–प्रबंधन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा अपने क्षेत्र के लिए प्रस्तावित/क्षेत्र में मौजूद किसी कृषि–उत्पाद के संदर्भ में आपूर्ति–श्रृंखला–प्रबंधन का वर्णन कीजिए।

8. अपने राज्य में बढ़ावा दिए जा रहे जैविक खेती–आधारित विभिन्न उत्पाद क्या–क्या हैं? जैविक बाज़ार की स्थापना की चुनौतियों और चिंताओं पर संक्षिप्त रूप में चर्चा कीजिए।

,,,,,,,,

December, 2014

स्नातकोत्तरकृषिविस्तारप्रबंधनडिप्लोमा (पी जीडी एई एम)

द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांतपरीक्षा एवं
पूरकपरीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक

पाठ्यक्रम– 201 : बाज़ार–संचालितविस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतमअंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हींपाँचप्रश्नोंकाउत्तरलिखिए।सभीप्रश्नोंकाअंकसमानहै।

1. बाज़ार–संचालितविस्तारसेआपक्या समझतेहैं? अपनेअनुभव के आधारपरबाज़ार–संचालितविस्तारको बढ़ावादेनेमेंकृषि–विस्तारकार्यकर्ता की बदलतीभूमिकाकोस्पष्टकीजिए।

2. अपने खंड के विस्तार–अधिकारी के रूपमेंलाभकारी खेतीहेतुकिसीउद्यम/उत्पाद/कृषि–प्रणाली के चयनमेंकिसानोंकोसलाहदेने के लिए बाज़ार–आसूचनाकाउपयोगकैसेकरेंग? उपयुक्तउदाहरणसहितस्पष्टकीजिए।

3. अनुबंध–खेती की अवधारणाकोस्पष्टकीजिए।अपनेअनुभव के आधारपरअनुबंध–खेती के किसी एक नमूनेपरचर्चाकीजिए, जोप्रतिष्ठानऔरकिसानदोनों के लिए फ़ायदेमंदहों।

4. निम्नलिखितमेंसेकिन्हीं**दो**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए:
   xi) फसलोत्तरनुकसानको कम करने के उपाय
   xii) बाज़ारसमितिनिधि
   xiii) ख़राबीआधारितबीमाउत्पाद
   xiv) अग्रगामीअनुबंध की सीमाएँ

5. किसानों के लाभको बढ़ानेमेंकृषि–उत्पादोंकामूल्य–संवर्धनबहुतहीमहत्वपूर्णहै।कृषिमेंमूल्य–संवर्धनको बढ़ावादेनेमेंअपनाए जानेवालेविभिन्नचरणोंकोस्पष्टकीजिए।

6. कृषिपरविश्वव्यापार समझौतेपरसंक्षिप्त रूपमेंचर्चाकीजिए।कृषिपरइसकेप्रभावकोउपयुक्तउदाहरणसहितस्पष्टकीजिए।

7. आपूर्ति–श्रृंखला–प्रबंधनमेंउपयोग की जारहीविभिन्नपूर्वानुमानविधियोंकाउल्लेख कीजिए।माँग के पूर्वानुमानमेंशामिलविभिन्नचरणोंकोचित्रोंसहितस्पष्टकीजिए।

8. अपनेराज्य में बढ़ावादिए जारहेजैविक खेती–आधारितविभिन्नउत्पादक्या–क्याहैं? जैविकबाज़ार की स्थापना की चुनौतियोंऔरचिंताओंपरसंक्षिप्त रूपमेंचर्चाकीजिए।

* * * * *

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
परीक्षा – जुलाई, 2014

पाठ्यक्रम – 201 : बाज़ारोन्मुख विस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं**पाँच** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. सार्वजनिक विस्तार अभी भी उत्पादन–संबंधी विस्तार का अभ्यास करता है, जो बिलकुल प्रासंगिक नहीं है। अतः बाज़ारोन्मुख विस्तार से आप क्या समझते हैं तथा कृषि बाज़ार प्रणाली की मुख्य चुनौतियों के बारे में संक्षिप्त विवरण दीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) बाज़ारोन्मुख विस्तार – कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं की बदलती भूमिका
   (ख) उत्पादनोन्मुख विस्तार से बाज़ारोन्मुख विस्तार में रूप बदलाव
   (ग) घरेलू एवं निर्यात बाज़ार समझ प्रकोष्ठ (डी ई एम आई सी)
   (घ) कृषि–प्रसंस्करण का एस.डब्ल्यु.ओ.टी. विश्लेषण
   (ङ) कृषि उत्पादों के मूल्य–संवर्धन का महत्व
   (च) अच्छे माल–गोदाम का मापदण्ड
   (छ) जैविक उत्पादों के विपणन की चुनौतियाँ

3. आजकल किसान अत्यंत प्रतिस्पर्धी–बाज़ार वातावरण में हैं। बाज़ार–समझ में शामिल चरणों को स्पष्ट करते हुए बताइए कि बाज़ार की गतिविधियों को समझने के लिए बाज़ार–समझ किसानों की कैसे मदद करेगी?

4. किसाना स्थानीय क्रेता/विक्रेता पर निर्भर है, जो कीमत मोल–तोल करते हैं, जिससे किसानों का नुकसान होता है। संक्षिप्त रूप में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि खुदरे उद्योग में बेहतर कीमत का लाभ प्राप्त करने के लिए खुदरा–श्रृंखला किसानों और ग्राहकों की कैसे मदद करती है?

5. अनुबंध खेती से आप क्या समझते हैं? अनुबंध खेती के अंगों का विवरण दीजिए तथा सिद्ध करें कि आपके कार्य–स्थल में अनुबंध खेती व्यवहार्य है या नहीं?

6. चार प्रक्रिया चक्र एवं दो दो वस्तु–स्थिति–अध्ययनों की मदद से आपूर्ति–श्रृंखला प्रबंधन की प्रक्रियाओं को स्पष्ट कीजिए।

7. माल वायदा बाज़ार से आप क्या समझते हैं तथा वायदा बाज़ारों से किसानों के फ़ायदों को स्पष्ट कीजिए।

8. भारतीय परिस्थितियों में फसल–बीमा के महत्व को स्पष्ट कीजिए तथा आपके क्षेत्र में लागू की गई फसल–बीमा योजनाओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

* * * * *

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
विशेष पूरक परीक्षा – दिसंबर 2013
पाठ्यक्रम–201 : बाज़ारोन्मुख विस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. कृषि विपणन में दलालों की भूमिका को कैसे कम करें – चर्चा कीजिए।
2. बाज़ारोन्मुख विस्तार के संदर्भ में विस्तार कार्यकर्ता की बढ़ती भूमिका स्पष्ट कीजिए तथा परंपरागत विस्तार से बाज़ारोन्मुख विस्तार की ओर हुए परिवर्तन पर चर्चा कीजिए।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।
   - अ) यूरेप गैप
   - आ) राष्ट्रीय कृषि नीति
   - इ) फसल बीमा
   - ई) कृषि में विश्व व्यापार संगठन का प्रभाव
   - उ) वायदा बाज़ार
4. बाज़ार–समझ के बारे में विस्तार से चर्चा कीजिए तथा वर्तमान संदर्भ में यह कैसे उपयोगी है? आपके क्षेत्र के उदाहरण सहित समझाइए।
5. अनुबंध खेती से क्या तात्पर्य है तथा उदाहरण सहित इसके पक्ष–विपक्ष पर चर्चा कीजिए।
6. बाज़ारोन्मुख विस्तार में बाज़ार समझ प्रणाली बहुत ही महत्वपूर्ण है – चर्चा कीजिए।
7. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से क्या तात्पर्य है तथा आपूर्ति श्रृंखला में पूर्वानुमान प्रक्रिया पर चर्चा कीजिए।
8. सस्योत्तर हानियों के प्रकार क्या–क्या हैं? सस्योत्तर प्रौद्योगिकियों द्वारा सस्योत्तर हानियों को कैसे कम किया जा सकता है? – चर्चा कीजिए।

******

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

पूरक परीक्षा (Sept.2013)

पाठ्यक्रम–201 : बाज़ारोन्मुख विस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।
   - अ) राष्ट्रीय कृषि नीति
   - आ) माँग का पूर्वानुमान
   - इ) 'बाज़ार–समझ'
   - ई) आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
   - उ) विश्व व्यापार संगठन

2. अनुबंध खेती से क्या तात्पर्य है? अपने क्षेत्र में अनुबंध खेती की संभावनाओं पर उचित उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।
   - अ) माल व्यापार
   - आ) उत्पादनोन्मुख विस्तार
   - इ) किसानों का बाज़ार
   - ई) कृषि में उत्पादकों की कंपनी
   - उ) माल हितैषी समूह
   - ऊ) इलेक्ट्रॉनिक स्पॉट एक्सचेंज

4. बाज़रोन्मुख विस्तार को मज़बूत बनाने की एक प्रभावी विधि है मूल्य–संवर्धन। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

5. बाज़ार–सूचना सेवा को स्पष्ट कीजिए। कृषि में बाज़ार–सूचना के महत्व पर चर्चा कीजिए।

6. वायदा बाज़ार क्या है? किसानों के लिए यह कैसे उपयोगी है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

7. आपके राज्य के एक प्रमुख माल के संदर्भ में भारत में कृषि–प्रसंस्करण उद्योग के एस डब्ल्यु ओ सी विश्लेषण पर चर्चा कीजिए।

8. ''कृषि बारिश के साथ का जुआ–खेल है'' और फसल–बीमा के माध्यम से जोखिम को कम किया जा सकता है – स्पष्ट कीजिए। किसानों के लिए उपलब्ध विभिन्न फसल–बीमा का वर्णन कीजिए।

***

कृषि विस्तार प्रबंधन – 201 (एस)

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
अंतिम परीक्षा, प्रथम सत्र 2011–12 (अगस्त 2012)

पाठ्यक्रम 201 : बाज़ारोन्मुख विस्तार (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. बाज़ारोन्मुख विस्तार के परिप्रेक्ष्य में कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं की बढ़ी हुई भूमिका एवं उत्तरदायित्व क्या–क्या हैं?
2. कृषि–विपणन क्या है? कृषि–गतिविधियों में विभिन्न साझेदारों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
3. बाज़ार–सूचना प्रणाली की परिभाषा दीजिए। कृषि में बाज़ार–सूचना के महत्व पर चर्चा कीजिए।
4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) कृषि–विपणन में दलालों की भूमिका को कम करने के उपाय।
   (आ) किसानों की विपणन संबंधी समस्याओं के समाधान का मार्ग।
   (इ) माल अधिकार समूह (C I G)
   (ई) कृषि में सस्योत्तर हानि की समस्या के समाधान के लिए विस्तार नीतियाँ
   (उ) पश्चगामी और अग्रगामी संपर्क
   (ऊ) उत्पादनोन्मुख विस्तार और बाज़ारोन्मुख विस्तार
5. अनुबंध खेती क्या है? चर्चा कीजिए कि सहकारी संस्थाओं जैसे अमूल और शक्कर कारख़ानों ने कैसे अनुबंध खेती के सिद्धांतों का सफलतापूर्वक पालन किया है?
6. मूल्य–संवर्धन बाज़ारोन्मुख विस्तार को मज़बूत करने की एक प्रभावी विधि है। उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।
7. 'बाज़ार–समझ' से आप क्या समझते हैं? बाज़ार–समझ की प्रक्रिया के दौरान ध्यान देने योग्य बिन्दु क्या–क्या हैं?
8. वायदा बाज़ार क्या है? किसानों को वायदा बाज़ार से क्या–क्या लाभ हैं?

***